हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 126 देहरादून, शुक्रवार, 04 नवंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

फाईव स्टार और फ़ोर स्टार होटेल्स के लिए निवेशकों को आकर्षित करें : मुख्य सचिव

3

स्मार्ट सिटी के कार्य तय समय सीमा में पूर्ण किये जाएं : सीएम

कार्यों की गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर की जाएगीसख्त कारवाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 नवंबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में देहरादून स्मार्ट सिटी परियोजना की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि स्मार्ट सिटी के अन्तर्गत जो भी कार्य हो रहे हैं, उनमें स्मार्ट देहरादून के लिए सबसे अच्छ क्या किया जा सकता है, इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। सभी कार्य गुणवत्तापूर्वक तय सीमा के अन्तर्गत किये जाए। जन प्रतिनिधियों द्वारा जो भी सुझाव दिये जा रहें हैं, उन सुझावों को पूरी गम्भीरता से लेते हुए अमल में लाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जन सुविधा के दृष्टिगत स्मार्ट सिटी के कार्य तेजी से पूर्ण किये जाएं। यह सुनिश्चित किया जाए कि जनता का पैसा जनहित में सही प्लानिंग से उपयोग हो। इसके लिए सभी विभाग एवं कार्यदाई संस्थाएं समन्वय के साथ कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि स्मार्ट सिटी के तहत जो कार्य किये जा रहे हैं, आने वाले 50 सालों की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कार्य किये जाएं। देहरादून को आदर्श शहर बनाने के लिए और क्या किया जा सकता है, इसकी पूरी कार्ययोजना बनाई जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि ग्रीन सिटी, क्लीन सिटी के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाया जाए। शहर की स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि इस बैठक में जन प्रतिनिधियों के जो भी सुझाव आये हैं, उन सभी सुझावों पर क्या उचित समाधान निकाले जा सकते हैं, इस पर ध्यान दिया जाए। नगर निकायों को मजबूत बनाने पर ध्यान दिया जाए।

ऐसी योजनाएं जिनमें केन्द्र एवं राज्य का अंश क्रमशः 90 एवं 10 के अनुपात में हो उन योजनाओं पर शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर कार्य किये जाएं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी सड़के गड्ढ़ा मुक्त हो। नगर निगम क्षेत्रों में 3.75 मीटर से अधिक चौड़ी सड़कों के सुदृढ़ीकरण का कार्य लोक निर्माण विभाग से करवाए जाएं। उन्होंने कहा कि नगर निकायों को मानव संसाधन की दृष्टि से भी मजबूत बनाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि स्मार्ट सिटी के तहत जिन कार्यों को पूर्ण करने के लिए बजट की और आवश्यकता है, उनका प्रस्ताव बनाकर शीघ्र शासन को भेजा जाए। स्मार्ट सिटी के तहत परेड ग्राउण्ड में होने वाले विभिन्न कार्यों की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को अलग से बैठक करने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने सभी कार्यदाई संस्थाओं के अधिकारियों को निर्देश दिये कि कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जायेगा। कार्य की गुणवत्ता में कोई कमी पाई गई तो संबंधितों पर सख्त कारवाई की जायेगी। उन्होंने गढ़वाल कमिश्नर को भी स्मार्ट सिटी के कार्यों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिये।

सीईओ स्मार्ट सिटी/जिलाधिकारी देहरादून सोनिका ने स्मार्ट सिटी के तहत चल रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस देहरादून स्मार्ट सिटी परियोजना को जून 2023 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत जिन 26 परियोजनाओं पर कार्य होना था, उनमें से 10 पूर्ण हो चुके हैं, 4 परियोजनाओं पर अधिकांश कार्य पूर्ण हो चुके हैं 12 परियोजनाओं पर कार्य गतिमान है।

इस अवसर पर शहरी विकास मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल, मेयर सुनील उनियाल गामा, विधायक विनोद चमोली, खजान दास, उमेश शर्मा काऊ, सविता कपूर, मुख्य सचिव डॉ. एस.एस.संधु, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु, गढ़वाल कमिश्नर सुशील कुमार, अपर सचिव उदयराज सिंह एवं संबंधित कार्यदाई संस्थाओं के अधिकारी उपस्थित थे।

अपनी संस्कृति और संस्कार से जुड़ने का पर्व है इगास महापर्व : सतपाल महाराज

■ लोक पर्व इगास-बग्वाल बूढ़ी दिवाली पर महाराज ने दी शुभकामनायें

देहरादून, 3 नवंबर। प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, सिंचाई, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने उत्तराखण्ड के सांस्कृतिक लोक पर्व इगास-बग्वाल पर्व बूढ़ी दिवालीपर शुभकामनायें देते हुए प्रदेशवासियों को अपनी संस्कृति से जुड़ने के साथ-साथ उत्साह व उमंग के साथ मनाने का अनुरोध किया है।कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि गढ़वाल में दीपावली त्योहार के 11 दिन के पश्चात बग्वाल, इगास मनाने की प्राचीन परंपरा है। प्रदेश सरकार ने इस लोक पर्व की महत्ता एवं पौराणिकता को देखते हुए ही इस बार बग्वाल, इगास पर आज सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। महाराज ने कहा कि पहाड़ की लोकसंस्कृति से जुड़े इगास, बगवाल पर्व के दिन घरों की साफ-सफाई के बाद मीठे पकवान बनाए जाते हैं और देवी-देवताओं की पूजा की जाती है। कार्तिक मास में इगास, बगवाल पर्व पर शाम के समय गांव के किसी खाली खेत अथवा खलिहान में नृत्य के साथ भैलो खेला जाता है। भैलो एक प्रकार की मशाल होती है, जिसे नृत्य के दौरान घुमाया जाता है।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान श्रीराम 14 वर्ष के वनवास के बाद जब अयोध्या लौटे थे, तो लोगों ने अपने घरों में दीये जलाकर उनका स्वागत किया था। कहा जाता है कि भगवान श्रीराम के वनवास से लौटने की सूचना गढ़वाल मंडल के पर्वतीय क्षेत्रों में दीपावली के 11 दिन बाद कार्तिक शुक्ल एकादशी को पहुंची। तभी से यहां दीपावली के 11 दिन बाद बूढ़ी दिवाली इगास (बगवाल) मनाई जाती है।उन्होने कहा कि इगास, बगवाल पर्व को लेकर मान्यता है कि 17 वीं शताब्दी में गढ़वाल के प्रसिद्ध भड़ (योद्धा) वीर माधो सिंह भंडारी की सेना दुश्मनों को परास्त कर दीपावली के 11 दिन बाद जब वापस लौटी तो स्थानीय लोगों ने दीये जलाकर सैनिकों का स्वागत किया। तभी से गढ़वाल में यह लोक पर्व धूमधाम से मनाया जाने लगा।

आपको इगास पर्व की बधाई : अजय भट्ट

देहरादून, 3 नवंबर। केंद्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट ने ईगास बग्वाल (बुढी दीपावली) पर्व के अवसर पर देश व प्रदेश वासियों को बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।केंद्रीय मंत्री अजय भट्ट ने देश व प्रदेशवासियों को ईगास बग्वाल व बूढ़ी दीपावली के मौके पर कहा कि उत्तराखंड के इस लोक पर्व पर लोग अपने पैतृक घरों में पहुंचकर इस त्यौहार को हर्षोल्लास के साथ मना रहे हैं। इगास हमारी सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। हम सभी को इस त्यौहार को अपने घर परिवार के साथ धूमधाम से मनाना चाहिए। श्री भट्ट ने इगास बग्वाल व बूढ़ी दीपावली के त्यौहार पर सभी देश व प्रदेश वासियों को शुभकामनाएं प्रेषित की है।

पशुलोक विस्थापित की भूमि राजस्व अभिलेखों में दर्ज होंगे : प्रेमचंद अग्रवाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश, 4 नवम्बर। विस्थापित क्षेत्र पशुलोक को भूमिधरी अधिकार मिलने की मांग को लेकर आज स्थानीय लोग कैबिनेट मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल से मिले। इस मौके पर मंत्री डा. अग्रवाल ने जिलाधिकारी देहरादून और सचिव राजस्व के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। गुरूवार को ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र से विस्थापित पशुलोक निवासी लोगों का प्रतिनिधिमंडल कैबिनेट मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल से मिला। इस पर मंत्री डा. अग्रवाल ने मौके पर मौजूद जिलाधिकारी देहरादून सोनिका और सचिव राजस्व सचिन कुर्वे के साथ बैठक की। मंत्री डा. अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 2000 में जनपद टिहरी के भागीरथी गांव के परिवारों को ऋषिकेश विधानसभा के पशुलोक में विस्थापित किया गया था। मंत्री डा. अग्रवाल ने कहा कि लंबे समय से इन परिवारों द्वारा पशुलोक विस्थापित को राजस्व ग्राम की मांग उठाई गई। जिसे उनके अथक प्रयासों से वर्ष 2020 में राजस्व ग्राम घोषित किया गया।

मंत्री डा. अग्रवाल ने बताया कि भूमिधरी का अधिकार इन्हें न मिलने के चले समस्याएं पैदा हो रही है। मंत्री डा. अग्रवाल ने सचिव राजस्व सचिन कुर्वे को बैठक के दौरान निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जल्द ही पशुलोक विस्थापित के लोगों को भूमिधरी का अधिकार दिया जाए। जिससे राजस्व अभिलेखों में सभी की भूमि दर्ज हो सके। इस मौके पर पशुलोक विस्थापित के लोगों द्वारा मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल का आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान जगदंबा सेमवाल, प्रताप सिंह राणा, बलवीर रावत, दिनेश बहुगुणा, रघुनाथ चौहान, विजय बिष्ट, मीना सजवाण आदि उपस्थित रहे।

हफ्ते में 10 मिनट फुर्तीली कसरत बनायेगी फिट : रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 3 नवंबर। आजकल ज्यादातर लोगों की जिंदगी काफी व्यस्त दौर से गुजर रही है। ऐसे में या तो हमें एक्सरसाइज करने का समय नहीं मिलता, या फिर हम इससे भागते हैं। अगर आपके साथ भी कुछ ऐसी ही स्थिति है, तो अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी आपके लिए एक खुशखबरी लेकर आई है। एक नई स्टडी के मुताबिक, हर हफ्ते केवल 10 मिनट की फुर्तीली कसरत से आप लंबा जीवन जी सकते हैं।

ये है ताज़ा रिसर्च का निचोड़ -

रिसर्चर्स की टीम ने यूके बायोबैंक से 70 हजार से ज्यादा लोगों का डेटा एनालाइज किया। इनकी उम्र 40 से 69 के बीच थी और इन्हें कैंसर या दिल की बीमारी नहीं थी। स्टडी में शामिल सभी लोगों को एक एक्टिविटी ट्रैकर पहनने को कहा गया। इससे उनके फिजिकल मूवमेंट की हफ्ते भर की जानकारी इकट्ठा की गई। इसके बाद वैज्ञानिकों ने औसतन 7 साल के लिए सभी प्रतिभागियों के हेल्थ रिकॉर्ड को फॉलो किया। इस दौरान उनकी फुर्तीली कसरत, कैंसर और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियां और मृत्यु की संभावना के बीच के संबंध पर नजर रखी गई।

फुर्तीली कसरत क्या है?

ब्रिटेन के नेशनल हेल्थ सर्वे के अनुसार, फुर्तीली कसरत कोई भी ऐसी शारीरिक गतिविधि होती है, जिसमें इंसान की सांसें तेज हो जाती हैं। ऐसी गतिविधि करने वाला व्यक्ति एक बार में ज्यादा शब्द नहीं बोल पाता और दोबारा बोलने के लिए बीच में सांस लेता है। इसके उदाहरण में तैराकी, पहाड़ों पर बाइक चलाना, तेजी से सीढ़ियां चढ़ना आदि शामिल हैं।

यह कहते हैं नतीजे

वैज्ञानिकों ने पाया कि आराम से एक्सरसाइज करने के बजाय जोरदार कसरत करने से लोगों की सेहत में सुधार होता है। आप कम समय के लिए तेजी से कसरत करेंगे तो भी आपको फायदा होगा। स्टडी में जिन लोगों ने बिल्कुल एक्सरसाइज नहीं की, उन्हें अगले 5 साल में मरने का जोखिम 4% था। वहीं, हफ्ते में 10 मिनट फुर्तीली कसरत करने वालों में यह खतरा 2% और 60 मिनट कसरत करने वालों में 1% पाया गया।

काम की बात : परवरिश पर टिका होता है बच्चों का वर्तमान और भविष्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 नवम्बर , परवरिश दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी है। बच्चे का वर्तमान और पूरा भविष्य उस पर टिका होता है। आप उसके साथ हर वक़्त नहीं रह सकते, हर परिस्थिति में उसका मार्गदर्शन नहीं कर सकते लेकिन आपकी परवरिश उसके साथ हमेशा रहती है। इसलिए बताइए नहीं समझाइए।'अपने बच्चों को आत्मसंयम सिखाएं, उनमें तीव्र लालसा, पूर्वग्रह और बुरी प्रवृत्तियों को एक सीधी-सच्ची और तर्कपूर्ण इच्छा के अधीन रखने की आदत डालें; और यक़ीन मानें, उनके भविष्य से दुख और समाज से अपराधों को ख़त्म करने के लिए यह बड़ा योगदान होगा।'आज के खुले दौर में जब दंड और प्रतिबंध बहुत अधिक प्रभावी नहीं रह गए हैं, बच्चों में आत्मसंयम और सही-ग़लत की समझ विकसित करना ही सर्वश्रेष्ठ उपाय है, जो आगे भी उन्हें राह दिखाएंगे। इसके लिए अभिभावकों को न सिर्फ़ समझदारी का परिचय देना होगा, बल्कि स्वयं का उदाहरण भी प्रस्तुत करना होगा।

अच्छाई भी बुराई भी...

शायद पिता को नौकरी की चिंता है और वित्त की। घर आते हैं तब भी फोन पर काम लगा रहता है। मां कामकाजी है तो यहां आप पिता की जगह मां भी पढ़ सकते हैं।

माताओं को घर-परिवार के बारे में चिंता है। बच्चे अपने सवालों के साथ आते हैं। इसलिए एक ब्रेक लेने के लिए, बच्चों को व्यस्त रखने के लिए, मां-बाप उनको फोन पर पोयम, कार्टून (या टीवी) देखने बिठा देते हैं।

वास्तव में, हमें करना यह है कि बच्चे अपने आप ही ये सब सिर्फ़ कुछ समय इस्तेमाल करें। फिर बंद कर दें और कुछ अन्य काम करें। कैसे?बचपन से ही इन सब चीज़ों के फ़ायदे और नुक़सान बच्चों को समझाने चाहिए। जब हम बच्चों के साथ (या परिवार वालों के साथ) बैठे हों तब हमें ख़ुद भी फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। अब आप सोचेंगे कि नौकरी ही ऐसी है तो क्या करें? लेकिन क्या आप आधे घंटे भी फोन अलग नहीं रख सकते? ये भी ग़लत है कि दिमाग़ में हरदम फोन ही चलता रहे। अरे कुछ वक़्त तो राहत की सांस लेनी चाहिए।बच्चे को किसी भी चीज़ के गुण-दोष दोनों से परिचित कराइए। बताइए कि इंटरनेट पर बुरे काम होते हैं, ख़तरा होता है, लेकिन हमें हर चीज़ की जानकारी भी मिलती है वहां से। दुनिया में क्या हो रहा है इंटरनेट के माध्यम से पता चलता है। सोशल मीडिया पर हम अपनी फोटो डालकर दोस्तों को दिखा सकते हैं कि हम कहां घूमने गए या कैसे कपड़े पहने हैं। बिज़नेस के लिए भी सुविधाएं हैं। सामान बेचा या ख़रीदा जा सकता है। लोग मार्केटिंग करते हैं।

लेकिन, सही ढंग से इन सबका प्रयोग करना आना चाहिए, क्योंकि ग़लत चीज़ें भी होती हैं जिनकी इजाज़त क़ानून नहीं देता।

आप बच्चे को हर बार डांटेंगे जब वह फोन देख रहा हो या इंटरनेट पर हो, तब वह अपने दोस्तों से ग़लत चीज़ें सीख सकता है, क्योंकि वह उन्हीं के पास जाएगा। आपने तो रेखा खींच ली है, यही दिखा रहे हैं कि ये बुरी चीज़ें हैं। इसलिए हर पहलू के बारे में समझाइए।बाल न काटें, अजीब ढंग से कपड़े पहनें तो कभी-कभार करने दीजिए उन्हें अपने मन की।

आख़िर अच्छे से तैयार होना हम सबको पसंद है। और जैसे वो तैयार हो रहे हैं, ये उनको पसंद है। यह तो उनके ज़माने की बात है। बस ध्यान रखिए कि ऊटापटांग लोगों से नहीं मिल रहे हों। सोशल मीडिया पर उनके दोस्त बन जाइए। सब पता चलता रहेगा। बहरहाल, ध्यान रहे कि ज़्यादा बोलेंगे तो ब्लॉक कर देंगे आपको।उन्हें ख़ुद का दिमाग़ लगा के तय करने के क़ाबिल बनाइए कि क्या सही है और क्या ग़लत। इंटरनेट और सोशल मीडिया का सही ढंग से उपयोग कैसे करें। ताकि आगे चल के अपने फ़ायदे के लिए ये सब इस्तेमाल कर पाएं, बिना कोई ग़लती किए।

फाईव स्टार और फ़ोर स्टार होटेल्स के लिए निवेशकों को आकर्षित करें : मुख्य सचिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 नवम्बर। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने पर्यटन विभाग की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने पर्यटन विभाग द्वारा कराए जा रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने विभाग द्वारा कराए जा रहे कार्यों के लिए ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस को अपने सिस्टम में शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पिछले अनुभवों से सीखते हुए अपने सिस्टम की कमियों को लगातार दूर किए जाने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने चारधाम यात्रा में बुकिंग सिस्टम को मजबूत किए जाने की भी बात की। कहा कि चारधाम यात्रा के लिए अभी से तैयारियां शुरू की जाएं। उन्होंने चारधाम यात्रा हेतु संचालित कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम को सालभर संचालित किए जाने के भी निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश में एडवेंचर टूरिज्म की असीम सम्भावनाओं को देखते हुए योजनाएं तैयार की जाएं। पूरे विश्व में वाटर स्पोर्ट्स में क्या-क्या चल रहा है, और उसमें यहां क्या-क्या किया जा सकता है? इसके लिए डेडीकेटेड टीम या कन्सल्टेंट लगाया जाए। उन्होंने टिहरी झील में सी-प्लेन, स्कूबा डाईविंग और अन्य एडवेंचर स्पोर्ट्स पर भी कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि प्रदेश में लैंड बैंक तैयार कर फाईव स्टार और फॉर स्टार होटेल्स के लिए स्थान चयनित कर निवेशकों को आकर्षित करने पर फोकस किया जाए। इससे प्रदेश में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और प्रदेश की आर्थिकी के लिए भी लाभप्रद होंगें। उन्होंने प्रदेश में रोप-वे प्रोजेक्ट्स पर तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। कहा कि फॉरेस्ट क्लीयरेंस एवं अन्य आपत्तियों का निस्तारण प्रतिदिन और वीकली मॉनिटरिंग कर के किया जाए।

मुख्य सचिव ने होमस्टे योजना के सरलीकरण के भी निर्देश दिए। कहा कि होमस्टे योजना का स्थानीय लोग ज्यादा से ज्यादा लाभ ले सकें इसके लिए सरलीकरण आवश्यक है। साथ ही, इस योजना का फीडबैक भी लिया जाना जरूरी है। यदि योजना में सुधार की गुंजाईश है तो उसे भी किया जाए। उन्होंने नए उद्यमियों के लिए मार्केटिंग प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बहुत से स्थानीय लोगों ने होमस्टे खोले हैं, परन्तु मार्केटिंग और एडवर्टाईजिंग के लिए उनके पास धन एवं संसाधनों की कमी है। इसके लिए लोगों को नॉमिनल चार्ज पर एक प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने पर्यटन विभाग को वेटर, टूर गाईड आदि की फ्री ऑनलाईन ट्रेनिंग की भी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग टे^aनिंग इसलिए नहीं कर पाते कि उन्हें ट्रेनिंग के दौरान रोजगार और सैलरी का नुकसान होगा। कहा कि छोटे-छोटे वीडियोज के माध्यम से गाईड और वेटर आदि की सर्विस देते समय क्या करें, क्या न करें, जैसे वीडियोज के माध्यम से निशुल्क ट्रेनिंग उपलब्ध कराए जाने की दिशा में कार्य किया जाए। इसके लिए सिस्टम विकसित किया जाए।

मुख्य सचिव ने पूर्णागिरी क्षेत्र के विकास के लिए मास्टर प्लान तैयार करने के भी निर्देश दिए। कहा कि यह क्षेत्र पर्यटन के क्षेत्र में गेम चेंजर साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की प्राकृतिक सुन्दरता एवं शुद्धता ऐस्ट्रो टूरिज्म के अनुकूल है। सम्भावनाओं को तलाशते हुए हर डेस्टीनेशन में ऐस्ट्रो टूरिज्म पर कार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने उत्तराखण्ड में पर्यटन की दृष्टि से युवाओं को आकर्षित करने के लिए नई से नई तकनीक के माध्यम से विभिन्न प्रकार की जानकारियां उपलब्ध कराए जाने की बात भी कही।मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश में आयुष, योगा और पंचकर्म महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आयुष, योगा और पंचकर्म विभिन्न बीमारियों को जड़ से दूर करने में सक्षम हैं।

उत्तराखण्ड योगा कैपिटल के रूप में विश्वविख्यात है। हमारे वेलनेस सेंटर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों को आकृषित कर पर्यटन और रोजगार दृष्टि से प्रदेश के लिए अत्यधिक महत्त्वपूर्ण हैं। उन्होंने पर्यटन के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रहे अन्य राज्यों की बेस्ट प्रेक्टिसेज का अध्ययन कर प्रदेश की योजनाओं में शामिल किए जाने की भी बात कही।

अग्निवीर मुद्दे पर गरजे यशपाल आर्य, सरकार को बताया फेल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 नवंबर। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने राज्य सरकार पर बड़ा हमला बोला है। प्रदेश की राजनीती में लंबा अनुभव और सरकार में रहकर जनता की उम्मीदों को करीब से समझने वाले बाजपुर विधायक और सीनियर कांग्रेस लीडर यशपाल आर्य के निशाने पर सीधे सीधे सरकार आ गयी है। आपको बता दें की इसके पहले आगामी विधान सभा सत्र में सदन के अंदर आर्य पार्टी के कडा तेवर दिखाने की बात कह रहे हैं।

बीते दिन कपकोट के एक उम्मीदवार की आत्महत्या से व्यथित होकर ज़ोरदार हमला करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री और मौजूदा विपक्ष के नेता यशपाल कहते हैं कि सरकार की नीतियों के परिणाम अब सामने आने लगे है ....इसे आत्महत्या कंहे या असंवेदनशील सरकारी तंत्र द्वारा की गई हत्या.. बागेश्वर जिले के फरसाली गांव के निवासी २० वर्षीय कमलेश गोस्वामी द्वारा जो कि एन सी सी का सी सर्टिफिकेट पास था, फिजिकल में १०० नंबर आये, फिर भी अग्निवीर परीक्षा में असफल होने पर सोशल मीडिया में पोस्ट डाल कर जीवन समाप्त करने ने अग्नि वीर परीक्षा के प्रारूप पर प्रश्न चिन्ह लगाने के साथ साथ बेरोज़गारी की भयावहता पर सरकारी फेलियर को उजागर किया है.....

नेता विपक्ष आर्य कहते हैं कि ये आत्महत्या नहीं बल्कि व्यवस्थागत संगठित हत्या है ! यह वही तनाव है जो युवाओं को नौकरी न मिल पाने के कारण इस कदर तनाव में ला रहा है कि वे आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर हैं। गौरतलब है कि अग्निवीर भर्ती के मानकों को लेकर अभ्यर्थी पहले दिन से ही अपना विरोध दर्ज करते रहे हैं। कई अभ्यर्थी असफल होने के बाद प्रमाण-पत्र फाड़कर व अन्य तरीकों से नाराजगी जताते देखे गए हैं। कई युवा अंतिम अवसर में असफल होने पर काफी निराश देखे गए हैं।

उन्होंने आरोप लगते हुए कहा कि इससे पहले सैनिक बहुल उत्तराखंड में सैनिक भर्ती में असफल होने पर युवाओं की आत्महत्या की खबरें शायद ही सुनी गई हों लेकिन अग्निवीर भर्ती के मानकों को लेकर घर-घर में निराशा, आक्रोश व नाराजगी के स्वर साफ सुने जा रहे हैं। प्रतिभाशाली कमलेश गोस्वामी की आत्महत्या ने पर्वतीय इलाके के युवाओं के सेना में भर्ती के मानकों पर नये सिरे से गंभीर सवाल खड़े कर दिये हैं।

मानकों में बदलाव से पैदा हुआ संकट—

दिग्गज नेता और वरिष्ठ कोंग्रेसी यशपाल आर्य कहते हैं कि सेना में भर्ती होने के लिए पहले उत्तराखंड के पर्वतीय युवाओं के लिए 163 सेमी ऊंचाई और 1600 मीटर की दौड़ के लिए 5:40 मिनट का समय निर्धारित था, लेकिन अब अग्निवीर भर्ती में 170 सेमी ऊंचाई तथा दौड़ को 5:00 मिनट पर सीमित कर दिया गया है।

अग्निवीर भर्ती के मानकों को लेकर उत्तराखंड भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने अगस्त महीने तक लोगों को यह कहकर गुमराह किया कि जल्द ही अग्निवीर भर्ती के मानकों में शिथिलता बरती जाएगी लेकिन किया कुछ भी नहीं।तमाम भर्तियों में लगातार हो रहे फर्जीवाड़े और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्यवाही के नाम पर तमाम तरह के खिताबों के बावजूद भी कुछ न हो पाना किसी न किसी रूप में युवाओं का मनोबल खत्म कर रहा है।

आम आदमी पार्टी ने स्वास्थ्य निदेशक को ज्ञापन सौंपा

देहरादून, 3 नवम्बर। आज आम आदमी पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों ने स्वास्थ्य निदेशालय पहुंचकर निदेशक विनीता शाह को ज्ञापन सौंपा आम आदमी पार्टी की ओर से ज्ञापन में यह मांग की गई की कुंभ 2021 कोरोना की फर्जी रिपोर्ट बनाने वाली कंपनियों पर कठोर कार्रवाई की जाए ।इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष आरपी रतूडी ने कहा की इतने लंबे समय से यह मुद्दा लंबित पड़ा हुआ है ना ही दोषी कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और ना ही इस पर अब तक कोई गिरफ्तारी हुई है ।इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष उमा सिसोदिया ने कहा कि कुंभ घोटाले में जिस प्रकार से फर्जी रिपोर्टों की खबरे सामने आई उससे यह साफ होता है कि इसमें सरकारी तंत्र की मिलीभगत थी उन्होंने इसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की ।

इस मौके पर गढ़वाल मीडिया प्रभारी रविंद्र सिंह आनंद ने कहा कि भाजपा सरकार दोषी कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है क्या इसमें कुछ सफेदपोशो का भी हाथ है उन्होंने कहा भाजपा के नेताओं की मिलीभगत के चलते ही इस पूरे काम को अंजाम दिया गया । आम आदमी पार्टी द्वारा ज्ञापन में तीन मुख्य मांगे रखी गई :-1- कुंभ 2021 के दौरान कोरोना जांच घपले में लिप्त कंपनियों को बिल्कुल भी भुगतान न किया जाए ।2- कंपनियों के खिलाफ जांच अगले 1 महीने में पूरी करा कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए ।3- दोषी कंपनियों को अगले 10 सालों के लिए ब्लैक लिस्टेड किया जाए ।ज्ञापन सौंपने वालों में प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ आरपी रतूड़ी , उमा सिसोदिया, रविंद्र सिंह आनंद, प्रदेश सचिव नासिर खान, अशोक सेमवाल कुलदीप हदेव सहित पार्टी के कई कार्यकर्ता सम्मिलित थे ।

उत्तराखंड में मौसम बदलेगा करवट, पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी की संभावना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 3 नवम्बर। प्रदेशभर में छह नवंबर से मौसम करवट बदल सकता है। इस दौरान पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश और ऊंची चोटियों में बर्फबारी की संभावना है। मौसम बदलने से मैदानी क्षेत्रों के तापमान में एक से तीन डिग्री सेल्सियस की कमी आ सकती है। न्यूनतम तानमान में पहाड़ी क्षेत्रों में चार से छह डिग्री सेल्सियस की कमी आने का अनुमान है। मौसम बदलने से प्रदेशभर में ठंड बढ़ने की भी संभावना है।

मैदानी इलाकों में बढ़ेगी ठंड

मौसम विभाग के अनुसार आज गुरुवार को प्रदेश में मौसम सामान्य बना रहने का अनुमान है। वहीं, छह नवंबर से मौसम का मिजाज बदलेगा। इस दौरान ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। इससे मैदानी इलाकों में ठिठुरन बढ़ जाएगी।कैसा रहेगा देहरादून का मौसममौसम विभाग के अनुसार, देहरादून में आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। सुबह और शाम के दौरान कुहासा रहने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश 28 डिग्री सेल्सियस तथा 14 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

अक्टूबर महीने में हुई अधिक बारिश

उत्तराखंड से मानसून की विदाई देरी से हुई। इस कारण अक्टूबर महीने में बादल खूब बरसे। इस दौरान राज्य में सामान्य से चार गुना अधिक बारिश दर्ज की गई।

राज्य के चार जिलों में हुई अधिक बारिश

आमतौर पर अक्टूबर महीने में 31 मिमी के करीब बारिश होती है, जबकि इस साल यह आंकड़ा 118 मिमी पर चला गया। राज्य के बागेश्वर, अल्मोड़ा, नैनीताल और ऊधमसिंह नगर जनपदों में सर्वाधिक बारिश हुई। वहीं टिहरी, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी और देहरादून जनपदों में सबसे कम बारिश हुई।

इन दिनों मौसम बना हुआ है शुष्क

बता दें कि उत्तराखंड में इन दिनों मौसम शुष्क बना हुआ है। ऊंचाई वाले इलाकों में बादल मंडरा रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार पांच नवंबर तक प्रदेश में मौसम सामान्य बना रहने का अनुमान है। इसके बाद मौसम बदलेगा। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बारिश व बर्फबारी की संभावना है।

चिनूक हेलीकॉप्टर ने केदारनाथ के लिए भरी उड़ान, निर्माण सामग्री पहुंचाना शुरू...

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

केदारनाथ, 3 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट केदारनाथ पुनर्निर्माण में सहयोग के लिए भारतीय सेना का मालवाहक हेलीकॉप्टर चिनूक गौचर हवाई पट्टी पर पहुंचा था। मंगलवार को केदारघाटी में मौसम खराब होने के कारण चिनूक केदारनाथ नहीं जा सका था, लेकिन गुरुवार को चिनूक हेलीकॉप्टर से निर्माण सामग्री केदारनाथ पहुंचाई जा रही है।

इससे पहले मंगलवार सुबह भारतीय सेना का चिनूक हेलीकॉप्टर गौचर हवाई पट्टी पर पहुंचा था। यहां पर चमोली जनपद के प्रशासनिक अधिकारियों ने अगवानी की। इसके बाद चिनूक को रेकी के लिए केदारनाथ जाना था लेकिन खराब मौसम के कारण नहीं जा सका।

मौसम ठीक होने पर गुरुवार सुबह चिनूक केदारनाथ के लिए उड़ान भरी। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि चिनूक हेलीकॉप्टर से केदारनाथ में चल रहे पुनर्निर्माण के तहत भवनों के निर्माण के लिए लोहा व अन्य सामग्री पहुंचाई जा रही है।

बता दें कि बीते वर्ष सितंबर-अक्तूबर में चिनूक हेलीकॉप्टर ने गौचर हवाई पट्टी से केदारनाथ 36 टन निर्माण सामग्री पहुंचाई थी। केदारनाथ पुनर्निर्माण में सहयोग के लिए वर्ष 2015 में पहली बार भारतीय सेना का एमआई-26 हेलिकॉप्टर गौचर पहुंचा था। तब, सेना के इस मालवाहक हेलिकॉप्टर ने पोकलैंड, डंपर, जेसीबी सहित अन्य कई मशीनें, उपकरण व सामग्री पहुंचाई थी।

टायफाइड क्यों होता है और क्या है इसके लक्षण जानिए यहां डिटेल में...

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 3 नवम्बर। टायफॉइड की बीमारी संक्रमित भोजन और पानी से होता है. इसमें सिरदर्द, बुखार, पेट दर्द, के लक्षण नजर आते हैं. यह बीमारी बौक्टिरियल है. टायफॉइड की बीमारी साल्मोनेला टाइफी से होता है. इस बीमारी को फैलाने में मक्खियां अहम भूमिका निभाती हैं. वह जहां भी बैठती हैं वहां पर इस बैक्टीरिया को छोड़ देती हैं. ऐसे में आपको बाहर से लाए हुए किसी खाद्य पदार्थ को धोकर खाना चाहिए. तो चलिए जानते हैं टायफॉइड के क्या लक्षण हैं.

टायफॉइड के लक्षण क्या हैं

टायफॉइड में 104 डिग्री फरेनहाइट तापमान हो सकता है. इसमें मरीज को दस्त की परेशानी शुरू हो जाती है. मलत्याग करते समय खून आने लगता है.इस बीमारी की

चपेट में आने से मरीज का वजन घटने लगता है. पैर में दर्द थकावट चलने फिरने में परेशानी का सामना करना पड़ता है. टायफॉइड के लक्षणों में शरीर पर रैशेज पड़ना भी शामिल है. टीएलसी में गिरावट टायफ़ॉइड के लक्षण होते हैं.कुछ भी ना पचना बार-बार उल्टी होना भी टायफॉइड के लक्षण होते हैं. इस बीमारी में टायफॉइड के मरीज को हर 8 घंटे में दवा का सेवन करना पड़ता है. शौच करने के बाद और खाने से पहले हाथ जरूर धोएं. इसके माध्यम से बैक्टीरिय शरीर में जा सकता है.टायफॉइड

में उबला हुआ पानी पीना लाभकारी होता है. उबला हुआ खाना खाएं और पके हुए खाने को ढ़ककर ही रखें.मक्खी, मच्छर से बचाकर रखें खाने को.

उत्तराखण्ड परिवहन निगम के डिपो मंडलीय कार्यशाला और कार्यशाला निर्माण का शिलान्यास : चंदन राम दास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 नवम्बर। उत्तराखंड सरकार के परिवहन मंत्री चंदन राम दास ने ट्रांसपोर्ट नगर देहरादून में उत्तराखण्ड परिवहन निगम के डिपो, मंडलीय कार्यशाला तथा कार्यालय निर्माण का शिलान्यास किया । इस अवसर मंत्री चंदन राम दास ने कहा कि परिवहन निगम पहली बार अपने परिवहन निगम के राशि से अपनी सम्पति का निर्माण करवा रही है।

परिवहन निगम भविष्य में प्रदेश के समस्त जिलों में आधुनिक डिपो का निर्माण करवा रही है, जिससे प्रदेश के प्रदेशवासियों को लाभ मिलेगा।।परिवहन मंत्री ने कहा कि परिवहन निगम अपने कर्मचारियों को समय पर सैलरी व अन्य भुगतान कर रही है, जिससे कर्मचारी आज दुगनी मेहनत से कार्य कर रहे है। मंत्री दास बताया कि हम भविष्य में प्रदेश के समस्त जनपदों में सीएनजी व इलेक्ट्रानिक चार्जिंग सेटशन खोलने की तैयार में है।इस अवसर पर सचिव परिवहन अरविंद सिंह ह्यांकी, प्रबंध निदेशक रोहित मीणा, महाप्रबंधक परिवहन निगम दीपक जैन तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय खेलों का आयोजन उत्तराखंड के लिए गर्व की बात : रेखा आर्या

देहरादून, 3 नवंबर। आज खेल मंत्री रेखा आर्या द्वारा 38वें राष्ट्रीय खेलों के सम्बन्ध में वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली सभागार सचिवालय में समीक्षा बैठक आहूत की गयी। बैठक में राष्ट्रीय खेलों के आयोजन से सम्बन्धित अब तक की गयी तैयारियों का प्रस्तुतीकरण किया गया। 38वें राष्ट्रीय खेल माह अक्टूबर- नवम्बर 2024 में आयोजित किये जा सकते हैं ऐसे में खेल मंत्री ने बताया कि 38वें राष्ट्रीय खेल में 34 खेल विधाओं में प्रतियोगिताओं का आयोजन 02 मुख्य खेल हब जैसे देहरादून एवं हल्द्वानी के साथ-साथ पांच अन्य शहरों में भी किया जायेगा जिसमें लगभग 10,000 खिलाड़ियों की प्रतिभाग करने की सम्भावना है। खेलों के आयोजन हेतु प्राथमिक आंकलन कर विभिन्न कार्यों जैसे अवस्थापना, मेडिकल, एन्टी डोपिंग, सुरक्षा, आवास, ट्रांसपोर्ट, एक्रीडिटेशन एवं वॉलेन्टियर से सम्बन्धित माइक्रो प्लान तैयार कर लिये गये हैं। अवस्थापना सम्बन्धी निर्माण कार्य जो वर्तमान में गतिमान हैं जिनके जुलाई 2023 तक पूर्ण होने की सम्भावना है। खेल मंत्री रेखा आर्या ने अधिकारियो को निर्देश दिये कि विशेष प्रमुख सचिव व निदेशक खेल स्वयं सभी अवस्थापना सुविधाओं का जायजा स्वयं ले और एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण माननीय मुख्यमंत्री जी के लिये बनाकर प्रस्तुत करें। खिलाड़ियों की आवासीय व्यवस्था हेतु गुजरात में आयोजित 36वें राष्ट्रीय खेलों के अनुरूप होटल आदि का सर्वे कर स्तरीय आवास खिलाड़ियों को उपलब्ध कराने हेतु व्यवस्था सुनिश्चित कर दें मेडिकल, एन्टी डोपिंग से सम्बन्धित आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जाये। साथ ही खेल मंत्री रेखा आर्या ने यह भी निर्देश दिये गये कि उत्तराखण्ड राज्य में आयोजित किये जाने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों में 38 खेल विधाओं को यथासम्भव सम्मिलित किया जाये,इस हेतु भारतीय ओलम्पिक संघ से वार्ता कर ली जाये। खेल मंत्री द्वारा यह भी निर्देश दिये गये कि यथाशीघ्र माननीय मुख्यमंत्री जी के साथ इस सम्बन्ध में बैठक आहूत की जानी है, अतः बजटीय मांगों के साथ-साथ विस्तृत प्रस्तुतीकरण तैयार कर लिया जाये ताकि आयोजित की जाने वाली बैठक में प्रभावी निर्णय लिये जो सकें।बैठक में विशेष प्रमुख सचिव, खेल अभिनव कुमार, अपर सचिव / निदेशक खेल जितेन्द्र कुमार सोनकर, उपसचिव खेल धीरेन्द्र कुमार, संयुक्त निदेशक डॉ० धर्मेन्द्र भट्ट, एस०के० सार्की, अजय कुमार अग्रवाल उपनिदेशक शक्ति सिंह एवं सहायक निदेशक नीरज गुप्ता उपस्थित रहे।

38वें राष्ट्रीय खेलों में 38 खेल विधाओं को किया जाए सम्मिलित- रेखा आर्या

चंदन लकड़ी की तस्करी मामला : बीट अधिकारी निलंबित, वन दारोगा मुख्यालय अटैच

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 नवंबर। राजाजी टाइगर रिजर्व क्षेत्र के जंगल से चंदन के पेड़ काटने के मामले में पार्क निदेशक ने बीट अधिकारी को निलंबित और क्षेत्र के वन दारोगा को मुख्यालय अटैच किया है।

चंदन के पेड़ काटने का मामला

राजाजी पार्क क्षेत्र कि लक्ष्मण झूला बीट में चंदन के पेड़ काटने के मामले में वन्य जीव प्रतिपालक चीला प्रशांत हिन्दवाण जांच अधिकारी की रिपोर्ट पर मार्क निदेशक डा. संकेत बडोला ने बीट अधिकारी वन आरक्षी जगदीश सिंह को लापरवाही का दोषी पाते हुए निलंबित किया है।

दीपावली के वक्त काटे गए चंदन के पेड़

वन दारोगा हरपाल सिंह गुसाईं को प्रथम दृष्टया लापरवाही का दोषी पाते हुए वन्य जीव प्रतिपालक राजाजी टाइगर रिजर्व मुख्यालय से सम्बद्ध किया गया। दीपावली के वक्त लक्ष्मण झूला की क्षेत्र के जंगल से तस्करों ने नौ चंदन के पेड़ काट दिए थे।

आरोपित गिरफ्त से बाहर

इसकी जांच पार्क निदेशक की ओर से वन्यजीव प्रतिपालक चीला को सौंपी गई थी। इस मामले में अभी आरोपित विभाग की गिरफ्त से बाहर है।

टेक होम राशन में स्वयं सहायता समूहों द्वारा बरती जा रही लापरवाही पर कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने दिए जाँच के निर्देश

देहरादून, 3 नवंबर। आज विधानसभा में महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने विभाग की महत्वपूर्ण विषयों के सम्बन्ध में विभागीय सचिव, अधिकारियो और आंगनबाड़ी संगठनों के साथ समीक्षा बैठक ली। बैठक में आंगनबाड़ी बहनों के मानदेय, मिनी आंगनबाड़ी केन्द्रो को पूर्ण करने,भवन किराया, मोबाइल रिचार्ज, समिति में टेक होम राशन योजना की राशि सहित विभिन्न विषयों के सम्बन्ध में चर्चा की गई। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने बताया गया कि आंगनबाड़ी केन्द्रो के भवन का किराया जो कि 3 करोड़ 81लाख की है वह सभी जनपदों को भेजी जा चुकी है साथ ही टेक होम राशन की धनराशि जो कि लगभग 49 करोड़ की है वह भी सभी जनपदों को भेजी जा चुकी है, वर्तमान में 2022-23 की जो धनराशि लंबित है इसके लिए शासन से बजट की मांग की गई है। वहीं मोबाइल रिचार्ज हेतु सभी जनपदों को मार्च 2023 तक की राशि भेजी जा चुकी है। साथ ही मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि आंगनबाड़ी बहनों द्वारा उन्हें बताया गया कि उनसे अन्य विभागों के कार्यों को भी कराया जा रहा है जिसका कि उन्हें मानदेय नहीं दिया जाता है इस संबंध में मंत्री रेखा आर्या ने अधिकारियो को डीपीओ से रिपोर्ट तलब करने के निर्देश दिए गए।साथ ही बैठक में कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जो मोबाइल फोन खराब हो चुके हैं उनके लिए विभाग द्वारा करीब 18हजार फोनो की मांग भारत सरकार से की गई है। साथ ही 2254 मिनी आंगनबाड़ी केन्द्रो को उच्चीकरण करने हेतु भारत सरकार को प्रस्ताव भेजा जा रहा जिससे की आंगनबाड़ी बहनो को कार्य करने में कोई परेशानी नहीं आएगी।साथ ही मंत्री रेखा आर्या ने स्वयं सहायता समूहों द्वारा टेक होम राशन में बरती जा रही लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए ऐसे समूहों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध जाँच के आदेश भी अधिकारियो को दिए।वहीं विभागीय मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि टेक होम राशन जो कि माता समिति द्वारा खरीदी जा रही है उसकी राशि समिति के खाते में उपलब्ध नहीं हो पाती है ऐसी स्थिति में समिति द्वारा समय पर भुगतान कर दिया जाये इसके निर्देश भी आज की बैठक में अधिकारियो को दिए गए।पोषण ट्रेकर मोबाइल ऐप को और अधिक बेहतर किया जा रहा है और उसमे आ रही दिक्कतों को दूर किया जा रहा है साथ ही पूरे वर्ष की रिचार्ज धनराशि को एकमुश्त दिया जा रहा है।

आंगनबाड़ी बहनों ने जताया कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या का आभार व धन्यवाद

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने साथ ही कहा कि आंगनवाड़ी बहनों के हितों को लेकर विभाग गंभीर है, उन्हें समय पर मानदेय मिले इसे लेकर भी इस बार पहली बार दीवाली से पूर्व सभी बहनों को अक्टूबर माह का मानदेय पूर्व में ही दे दिया गया है। आगे भी विभाग और उनकी कोशिश रहेगी कि आंगनबाड़ी बहनो के लिए हर संभव बेहतर प्रयास किये जायेंगे।इस दौरान आंगनवाड़ी बहनों को दिवाली पर अक्टूबर माह का दिए गए मानदेय को लेकर सभी ने कैबिनेट मंत्री का आभार और धन्यवाद ज्ञापित किया।इस अवसर पर सचिव हरि चंद्र सेमवाल, उपनिदेशक एस के सिंह जी, DPO अखिलेश मिश्र व आंगनवाड़ी बहनें उपस्थित रहीं !

प्राकृतिक कृषि बोर्ड का गठन एक शानदार उपलब्धि : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 नवंबर। उत्तराखण्ड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह(से नि), गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं कृषि मंत्री गणेश जोशी ने सर्वे ऑफ इंडिया स्टेडियम हाथीबड़कला, देहरादून में कृषि विभाग उत्तराखण्ड द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला में प्रतिभाग करते हुए मुख्यमंत्री प्राकृतिक कृषि योजना का शुभारंभ, नमामि गंगे प्राकृतिक कृषि कॉरीडोर योजना का शुभारंभ और राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि विषय पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया। कार्यक्रम में प्राकृतिक कृषि बोर्ड का गठन भी किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह(से नि) ने कहा कि प्राकृतिक कृषि पद्धति में अनेक समस्याओं का समाधान है। आचार्य देवव्रत जी ने भारत की एक प्राचीन कृषि पद्धति को नया आयाम दिया है। हम सबको प्रकृति की ओर लौटने की एक राह दिखाई है इसके लिए उनका अभिनंदन करता हूँ।

राज्यपाल ने कहा कि प्राकृतिक कृषि कोई नया रूप नहीं है बल्कि हमारे प्राचीन वैदिक चिंतन के युग के अनुरूप एक नई पहचान है। यह समय की मांग है और हमें प्राकृतिक कृषि की ओर लौटना होगा। उत्तराखण्ड में प्राकृतिक कृषि एक ब्रांड बनें हमें इस विजन को धरातल पर उतारना होगा। उन्होंने कहा कि हमें प्राकृतिक कृषि और गौ सेवा को एक साथ आगे बढ़ाना होगा। गाय का गोबर और गौ मूत्र प्राकृतिक खेती के लिए खाद बनाने में बहुत लाभकारी है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी सभ्यता, संस्कृति को प्राचीनतम इतिहास के साथ आधुनिक तकनीकों को जोड़ते हुए आगे बढ़ना होगा। प्राचीन पद्धति को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ना होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोपवे यही भारत का आने वाला भविष्य है इस दिशा में कुछ लक्ष्य तय करने होंगे।

राज्यपाल ने कहा कि हमें एग्रीकल्चर को अपनाकर एग्रीकल्चर को अपना कल्चर बनाना होगा और कोऑपरेटिव को कॉर्पोरेट तक ले जाना होगा। उन्होंने कहा कि यह भारत का अमृतकाल है जो उत्तराखण्ड का दशक है। हिमालय और देवभूमि के विकास के नए कीर्तिमान इसी दशक में तय करने होंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय के लिए लक्ष्य निर्धारित करने होंगे। हमें इसकी शुरुआत कृषि से करते हुए विकसित उत्तराखण्ड की नई इबारत लिखनी होगी।

कार्यशाला में उपस्थित गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तराखण्ड की धरती प्राकृतिक सौंदर्य और संपदा से समृद्ध है जो प्राकृतिक खेती के लिए वरदान साबित हो सकती है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक कृषि उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था के लिए गेम चेंजर साबित हो सकती है। इसके लिए किसानों को रासायनिक खेती और जैविक खेती का त्याग करना होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हमारे किसान अपने खेतों में रसायनों व उर्वरकों का अत्यधिक प्रयोग कर रहे हैं जिस कारण भूमि की उपजाऊ क्षमता खत्म हो रही है। रासायनिक खादों के दुष्परिणाम आ रहे हैं जिससे कई तरह की बीमारियां भी हो रही हैं। खेतों में कार्बन और माइक्रो पोषक तत्व कम हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इन सब समस्याओं के समाधान के लिए हमें प्राकृतिक कृषि की ओर लौटना होगा। उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा स्वयं 200 एकड़ में प्राकृतिक खेती की जा रही है जिसमें रसायन खादों का बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं किया जाता। उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश में 2लाख किसानों और गुजरात में लगभग 3 लाख किसानों द्वारा प्राकृतिक खेती की जा रही है। राज्यपाल ने कृषि वैज्ञानिकों से कहा कि प्राकृतिक खेती पर अधिक से अधिक रिसर्च की जाए और अधिक किसानों को इसके लिए प्रोत्साहित किया जाए। प्राकृतिक खेती से जहां पर्यावरण संरक्षण हो सकेगा वहीं किसानों की आमदनी दोगुनी और वह सशक्त और खुशहाल बनेंगे। राज्यपाल देवव्रत ने अपने अनुभवों के आधार पर उपस्थित कृषकों को प्राकृतिक खेती की महत्व एवं इसके फायदे गिनाये। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य स्तरीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए घोषणा की कि राज्य में प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने के लिये प्राकृतिक कृषि विकास बोर्ड का गठन किया जायेगा। मुख्यमंत्री प्राकृतिक कृषि योजना के लिये मुख्यमंत्री ने 10 करोड़ की धनराशि स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे कृषि कोरिडोर योजना से गंगा स्वच्छता को भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कृषि क्षेत्र में की जा रही बेस्ट प्रैक्टिस को पूरे देश में पहचान मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की संस्कृति और धरती माता के संरक्षण के अभिनव कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में जो कार्य राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने प्रारम्भ किए हैं, वह अभूतपूर्व हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस मंथन से एक ऐसा अमृत प्राप्त होगा जो प्राकृतिक कृषि के क्षेत्र में संभावनाओं के नए द्वार खोलने में सहायक सिद्ध होगा।

उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा मिल रहा है। इस बार के बजट में कृषि को हाइटेक बनाने के साथ-साथ प्राकृतिक कृषि पर भी अभूतपूर्व फोकस किया गया है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलने से हमारे किसान आत्मनिर्भरता के पथ पर आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड प्राकृतिक दृष्टि से भी परम्परागत कृषि के लिए एक उपयुक्त राज्य है। जलवायु विविधता के कारण हमारे यहां कई प्रकार की स्थानीय फसलें, फल, जड़ी-बूटी और सुगन्धित पौध आदि की खेती की जाती है। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों के लिए व्यापारिक संभावनाओं को बढ़ावा दिया जाए ताकि अधिक से अधिक किसान प्राकृतिक खेती को अपनाएं। हमारा जीवन, हमारा स्वास्थ्य, हमारा समाज सबके आधार में हमारी कृषि व्यवस्था ही है। बीते कुछ वर्षों के दौरान रसायनों के इस्तेमाल से हमारी उत्पादन क्षमता तो बढ़ी है लेकिन हमारे खेतों और हमारी मिट्टी पर इसका प्रतिकूल प्रभाव भी पड़ा है। धरती को माँ मानने की परम्परा भारतीय संस्कृति में ही है। आज स्थिति यह है कि रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों के अंधाधुंध और असंतुलित प्रयोग का दुष्प्रभाव मिट्टी और पर्यावरण पर ही नहीं बल्कि हमारे पशुओं की सेहत पर भी स्पष्ट रूप से दिखने लगा है।

वर्तमान में देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर में प्राकृतिक कृषि उत्पादों की मांग बढ़ रही है और हमारा लक्ष्य है कि इसका अधिक से अधिक लाभ उत्तराखंड के किसानों को मिले। हमारा किसान सशक्त होगा तो हमारी अर्थव्यस्था मजबूत होगी और जब अर्थव्यवस्था मजबूत तभी भारत पुनः विश्वगुरू के पद पर आरूढ़ हो पायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 21 अक्टूबर को सीमान्त गांव माणा में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक बताया है। प्रधानमंत्री का यह संदेश हमें निरंतर उत्तराखण्ड देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने की प्रयासों की प्रेरणा देने वाला है।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है सरकार किसानों एवं उनके कल्याण हेतु लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों को सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है वही दूसरी ओर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड राज्य के किसानों की आय दोगुनी किए जाने के संकल्प को हम पूरा करने हेतु प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा प्राकृतिक खेती का उद्देश्य उत्पादन मूल्य को शून्य करना है जिससे किसानों को उनकी फसलों का दाम मिल सके। इस अवसर पर विधायक श्री खजान दास, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट, सचिव कृषि डॉ. बी.वी.आर.सी पुरुषोत्तम, निदेशक कृषि गौरी शंकर सहित कृषि वैज्ञानिक और प्रदेश के सभी जनपदों के कृषक उपस्थित रहे।

योगी की राह पर धामी सरकार, MBBS पाठ्यक्रम पर यह हो रही तैयारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 नवम्बर । यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ की राह पर अब धामी सरकार भी चल पड़ी है। उत्तराखंड के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस छात्रों की पढ़ाई हिन्दी में कराने के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने का काम शुरू हो गया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से इसके लिए एक कमेटी गठित की गई है। यह कमेटी 15 दिन के भीतर पाठ्यक्रम के संदर्भ में सरकार को प्रारंभिक रिपोर्ट देगी।स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने एमबीबीएस छात्रों की हिन्दी में पढ़ाई की घोषणा की थी।

इसी के तहत अब राज्य में इसकी कवायद शुरू हो गई है। इसके लिए श्रीनगर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ एमएसएम रावत की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गई है।

चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ आशुतोष सयाना की ओर से गठित इस कमेटी में हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज के एनॉटामी विभाग के प्रोफेसर डॉ एसके सिंह, हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज के ही पैथोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ हरिशंकर पांडेय और दून मेडिकल कॉलेज के रेडियोथैरेपी विभाग के प्रोफेसर डॉ दौलत सिंह को सदस्य सचिव बनाया गया है।15 दिन में तैयार होगी रिपोर्ट चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ आशुतोष सयाना की ओर से गठित समिति 15 दिन में अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट दे देगी। यह कमेटी इस दौरान मध्य प्रदेश का दौरा कर वहां चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा तैयार एमबीबीएस के हिन्दी पाठ्यक्रम का अध्ययन भी करेगी।

चरणबद्ध ढंग से हो बदलाव का काम

स्वास्थ्य महानिदेशक और चिकित्सा शिक्षा निदेशक रहे डॉ आरपी भट्ट का कहना है कि एमबीबीएस की पढ़ाई हिंदी में कराना एक बड़ा विचार है। रूस को छोड़कर अधिकांश देश अंग्रेजी में ही डॉक्टरों की पढ़ाई करा रहे हैं।

इस कदम से मरीजों को तो फायदा हो सकता है।लेकिन इंटरनेशनल लेबल पर रिसर्च आदि के काम प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह काम चरणबद्ध तरीके से किया जा सकता है। साथ ही पाठ्यक्रम तैयार करते समय इस बात का ध्यान रखना होगा कि भाषा की वजह से नई पीढ़ी के डॉक्टरों की क्षमता प्रभावित न हो।

> सरकार एमबीबीएस छात्रों की पढ़ाई हिन्दी में कराने के लिए पाठ्यक्रम तैयार करा रही है। इसके लिए मध्य प्रदेश का मॉडल अपनाया जाएगा। इस संदर्भ में एक कमेटी गठित की गई है।
>
> **-डॉ. धन सिंह रावत,**
> **चिकित्सा शिक्षा मंत्री**

संपादकीय

वायु प्रदूषण की चुनौती

दिल्ली में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है. इसकी रोकथाम के लिए अनेक प्रयास हो रहे हैं, लेकिन कुछ महीनों तक स्थिति में विशेष सुधार की आशा नहीं है. वाहनों के उत्सर्जन, निर्माण गतिविधियों के चलते रहने तथा पंजाब के खेतों में पराली जलाने के बढ़ते मामलों से राजधानी और आसपास के इलाकों में हवा प्रदूषित रहेगी. देश की राजधानी होने के कारण दिल्ली के प्रदूषण की अधिक चर्चा होती है, लेकिन उत्तर एवं पश्चिम भारत के भी कई शहरों में वायु प्रदूषण की समस्या है, जिसके समाधान के लिए दीर्घकालिक प्रयासों की आवश्यकता है. इस क्रम में केंद्र सरकार का राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम बड़ी पहल साबित हो सकता है. इसके तहत देश के 131 शहरों में नियमित रूप से हवा की गुणवत्ता परखी जाती है. सितंबर में आयी रिपोर्ट में बताया गया था कि इन 131 शहरों में से 95 में वायु गुणवत्ता बेहतर हुई है इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि हाल तक विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित वायु वाले शहरों में भारतीय शहरों की संख्या बहुत होती थी, यह सुधार निश्चित रूप से उत्साहजनक है. यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों में सुधार देखा जा रहा है. यह क्षेत्र सबसे अधिक प्रदूषण की चपेट में है. लेकिन निगरानी और उपायों में नियमितता आवश्यक है क्योंकि थोड़ी चूक भी इन परिणामों पर पानी फेर सकती है. प्रदूषक तत्वों के लिए वाहनों के चालन, सड़क की धूल, निर्माण कार्य, उद्योग, ताप बिजली संयंत्र, कचरा जलाना, मलबा निस्तारण आदि कारक जिम्मेदार होते हैं. राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत 2025-26 तक प्रदूषक तत्वों में 40 प्रतिशत कमी करने का लक्ष्य रखा गया है. यह योजना 2019 में प्रारंभ हुई थी और फिर दो साल से अधिक समय तक कोविड महामारी का कहर रहा. कारोबारी और औद्योगिक गतिविधियों में तेजी आने से प्रदूषण नियंत्रण के मोर्चे पर चुनौती बढ़ी है. इसलिए हर स्तर पर मुस्तैदी जरूरी है. केंद्र सरकार की यह पहल भी उल्लेखनीय है कि जो शहर प्रदूषण घटाने में अच्छा प्रदर्शन करेंगे, उन्हें वित्तीय सहायता भी प्रदान की जायेगी ताकि वे अधिक संसाधन जुटा सकें. शहरों का सूचकांक बनाना भी प्रेरणादायक साबित हो सकता है. विश्व वायु गुणवत्ता सूचकांक, 2021 में सबसे प्रदूषित 117 देशों में भारत का पांचवा स्थान था. ग्रीनपीस इंडिया की हालिया रिपोर्ट बताती है कि देश की लगभग पूरी आबादी ही कमोबेश प्रदूषित हवा में सांस ले रही है. जहरीली हवा हमारे स्वास्थ्य को तबाह करती है तथा जीवन प्रत्याशा को कम करती है. राष्ट्रीय कार्यक्रम को ठीक से लागू कर तथा स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि कर हम निश्चित ही वायु प्रदूषण को नियंत्रित कर सकते हैं.

विकासनगर में प्रोपेन गैस रिसाव के मौक ड्रिल में दिखी प्रशासन की चुस्त तैयारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 नवंबर। आपदा परिचालन केंद्र देहरादून मे 11:30 सूचना मिली कि तहसील विकासनगर क्षेत्रान्तर्गत सेलाकूई में स्थित लिंडे इण्डिया लिमिटेड देहरादून एम0आई0 सेन्ट्रल होप टाउन ट्विन इंडस्ट्रियल एरिया, फेज 2 सेलाकूई, विकासनगर में प्रोपेन गैस रिसाव हो गयी है। सूचना पर जनपद के आईआरएस टीम को सायरन एवं वाट्एप्प के माध्यम से सक्रिय किया गया। आपदा प्रबन्धन केन्द्र से मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान ने मोर्चा संभालते तुए नजदीकी तहसील स्तर की गठित टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए घटना स्टल को रवाना किया। वहीं निर्देश क अनुपालन में सम्बन्धित अधिकारियों ने अपने-अपने कार्यों को सम्पादित करने में जुट गए, जबकि घटना स्थल पर बनाए गए स्टेजिंग एरिया में उप जिलाधिकारी विकासनगर विनोद कुमार के नेतृत्व में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ सहित स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस टीम द्वारा मौके पर पंहुचकर राहत बचाव कार्य शुरू किया। मॉकड्रिल, रेस्क्यू के दौरान 06 गंभीर व्यक्तियों को पीएचसी से हायर सेन्टर तथा 04 लोगों को पीएचसी सेलाकुई में भर्ती कराए गए, जबकि 07 लोग सुरक्षित निकल आए। मुख्य विकास अधिकारी एवं टीम द्वारा घटना स्थल की जानकारी वर्चुअल के माध्यम से भी ली गई।

आपदा कन्ट्रोल रूम को प्रातः 11:30 बजे प्राप्त रसायनिक रिसाव की सूचना पर आपदा कन्ट्रोल रूम से समस्त आईआरएस टीम को घटना से अवगत कराया गया। आपदा कन्ट्रोल रूम में मुख्य विकास अधिकारी एवं जिला स्तरीय अधिकारी प्रातः 11:35 बजे पहुंच गए जबकि अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व तथा जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी कन्ट्रोल रूम/कार्यालय में पूर्व से ही उपस्थित थे। 11:40 बजे सभी टीमें मौके पर ही पहुंचते हुए राहत बचाव कार्य संपादित किए जिससे जानमाल का कोई नुक्सान नहीं हुआ। जिस समय यह घटना हुई उस समय लिंडे इण्डिया लिमिटेड में 17 लोग कार्य कर रहे थे, 07 लोग निकल आए, 10 लोगों के फंसे हुए थे, जिन्हें रेस्क्यू किया गया। अपराह्न 12:30 बजे रेस्क्यू आपरेशन पूर्ण कर लिया गया इस दौरान फैक्ट्री में फंसे सभी 10 लोगों को रेस्क्यू किया गया जिन्हें पीएचसी सेलाकुई भेजा गया जिनमें 6 व्यक्ति की हालत गंभीर होने पर पीएचसी से हायर सेन्टर रेफर किया गया तथा 4 व्यक्तियों का उपचार पीएचसी सेलाकुई में उपचाररत है। मॉक अभ्यास के उपरान्त आपदा प्रचालन केन्द्र में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की अध्यक्षता में आपदा राहत बचाव कार्य के संबंध में डी-ब्रीफिंग का आयोजन किया गया। अपर जिलाधिकारी ने रेस्क्यू आपरेशन के दौरान सामने आई मुश्किलों/कमियों पर चर्चा करते हुए भविष्य में और अधिक सक्रिय प्लान करने तथा विगत वर्षो मे घटित हुई घटनाओं में रेस्क्यू के दौरान सामने आई दिक्कतें एवं कठिनाईयां भविष्य में न हो इसके लिए बेहतर प्लान तैयार करने पर बल दिया साथ ही मॉक अभ्यास में विभिन्न विशेषज्ञों को भी शामिल करने को कहा ताकि किसी भी आपदा में किस प्रकार त्वरित प्रतिक्रिया करते हुए जानमाल/पशुहानि को रोका जाए। उन्होंने वर्ष में दो बार मॉक अभ्यास करने को कहा साथ ही इन्डस्ट्रीयों में विशेषज्ञों के साथ रेस्क्यू टीमों एवं जिला प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा कैमिकल इण्डस्ट्रीज का प्रतिवर्ष निरीक्षण करने व इण्डस्ट्रीज के सेफ्टी मैनेजर से चर्चा की जाए ताकि भविष्य में किसी प्रकार की संभावित घटना घटित होने पर टीमों द्वारा आपसी समन्वय के साथ त्वरित प्रतिक्रिया की जा सके।बैठक में उप जिलाधिकारी ऋषिकेश नदंन कुमार, विकासनगर विनोद कुमार, एसीजीडी एनडीआरएफ अजय पंत व डीसी/जीडी रविशकंर बधानी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 दिनेश चैहान, जिला कमाण्डेंट होमगार्ड डॉ0 राहुल सचान, सहायक निदेशक सूचना बीसी नेगी, जिला पूर्ति अधिकारी विपिन कुमार, जिला पंचायतीराज अधिकारीd एम.एम खान, निरीक्षक एनडीआरएफ अरविन्द कुमार व मंयक कुमार, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी डॉ0 दीपशिखा रावत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सर्राफा व्यापारियों से सैटेलाइट फोन नहीं यूके से थी रंगदारी की कॉल, पुलिस ने खोले राज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उधमसिंहनगर, 3 नवंबर। उत्तराखंड के उधमसिंहनगर जिले के काशीपुर शहर के तीन सर्राफा व्यापारियों को रंगदारी मांगने के लिऐ इंटरनेट कॉल का प्रयोग किया गया है। हालांकि जिस नम्बर से फोन आया है, वह यूके का बताया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने सैटेलाइट फोन से कॉल होने से साफ इंकार किया है।हालांकि पुलिस अभी तक अंधेरे में ही तीर मारती दिखाई दे रही है, अंतरराष्ट्रीय गैंग के काशीपुर कनेक्शन ने पुलिस की नींद उड़ा दी है। एसओजी व साइबर सेल मोबाइल नंबर की जांच में जुट गई है।

मंगलवार की शाम शहर के तीन सर्राफा व्यापारियों से 1.30 करोड़ की रंगदारी मांगने व रंगदारी न देने पर शूट करने की धमकी दी गई थी।तीनों व्यापारियों को एक ही नम्बर से अलग-अलग नामों से धमकी मिली थी। जिस नम्बर से फोन आया था, प्रथम दृष्ट्या वह यूके का होना सामने आया है। इस कॉल को सैटेलाइट कॉल से जोड़ा जा रहा था, लेकिन बुधवार को एएसपी ने साफ इनकार कर दिया है। उन्होंने इसे इंटरनेट कॉलिंग बताया है।

घटना के बाद से व्यापारियों के दुकानों के बाहर पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि महल हत्याकांड के बाद मामले को अंतरराष्ट्रीय गैंग से जोड़ने का प्रयास कर दहशत फैलाने की कोशिश की जा रही है। सर्राफा व्यापारी को पंजाब जेल से बोलने की बात बताई गई है, लेकिन उसकी भाषा से वह पंजाबी नहीं लग रहा था। जांच के बाद ही सच्चाई सामने आएगी। साइबर सेल व एसओजी मामले की जांच में जुटी है।

'30 लाख तो क्या मेरे पास तो तीन लाख भी नहीं हैं'

स्थानीय सर्राफा व्यवसायियों से गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई व गोल्डी बराड़ के नाम पर फिल्मी अंदाज में रंगदारी मांगी गई है। इस कॉल से पूरे शहर में दहशत का माहौल हो गया है। मंगलवार की शाम मेन मार्केट स्थित गुरु ज्वेलर्स के स्वामी पुरुषोत्तम वर्मा, मेन बाजार स्थित आनंद ज्वेलर्स के स्वामी विवेक वर्मा व अशोक ज्वेलर्स के स्वामी गौरव अग्रवाल के मोबाइल पर अंतरराष्ट्रीय नम्बर से फोन कर गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई व गोल्डी बराड़ के नाम पर 50 लाख, 30 लाख और 50 लाख की रंगदारी मांगी गई।नहीं देने पर जान से मारने की मिली। विवेक वर्मा को आई कॉल में उसने पहले खुद को लॉरेंस विश्नोई का आदमी और बाद में खुद को लॉरेंस विश्नोई बताते हुए पंजाब जेल से बोलने की बात कही। विवेक ने कई बार बरगलाने का प्रयास करते हुए अपने को रुद्रपुर व एक कपड़े की दुकान में काम करने की बात कही, लेकिन फोन करने वाला शाम तक 30 लाख रुपये नहीं देने पर दुकान में फायरिंग व परिवार को जान से मारने की धमकी देता रहा। व्यापारी गिड़गड़ाता रहा कि मेरे पास 30 लाख क्या तीन लाख रुपये भी नहीं हैं। विधायक और पूर्व विधायक ने जाना व्यापारियों का हालविधायक त्रिलोक सिंह चीमा व पूर्व विधायक हरभजन सिंह चीमा सर्राफा कारोबारियों के प्रतिष्ठान पहुंचे और घटना की जानकारी ली। उन्होंने व्यापारियों से कहा कि वह डरें नहीं और किसी भी प्रकार की रंगदारी न दें।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

संजय वन जीर्णोद्धार के लिए 20 लाख की स्वीकृति पर डीएम युगल किशोर को बधाई : अजय भट्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 नवम्बर। केन्द्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट ने आज विकास भवन रूद्रपुर में पहुंचकर केनरा बैक द्वारा नगर निगम रूद्रपुर को 5 एवं काशीपुर को 6 स्वच्छ बनाये रखने के लिए दी गई ई-रिक्शा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उन्होने कहा कि यह ई-रिक्शा पर्यावरण को सुरक्षित रखने वाले है, यह ई-रिक्शा का आकार ईतना छोटा है कि पतली व संकरी गलियों में भी आसानी से जा के वहां से कूड़ा कचरा एकत्रित कर सकेगा जिससे हमारा क्षेत्र साफ-सुथरा रहेगा। उन्होने कहा कि यह नगर निगम का सराहनीय प्रयास है, भविष्य में अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसका बढ़ाया जायेगा।2- केन्द्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री भारत सरकार अजय भट्ट ने अपने संसदीय क्षेत्र ऊधम सिंह नगर के विकास भवन रुद्रपुर में जल तरंग कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जल तरंग कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन मानस द्वारा उपयोग किया जा रहा पेयजल की गुणवत्ता की जाँच करना है ताकि नगर निगम रुद्रपुर क्षेत्रान्तर्गत निवासरत प्रत्येक नागरिक को शुद्ध पेयजल की जानकारी हो सके।

मंत्री अजय भट्ट ने बताया कि यह कार्यक्रम दो चरणों में पूर्ण किया जाएगा। प्रथम चरण जिसके अन्तर्गत रुद्रपुर के सभी 40 वार्डों में पानी का सैम्पल लेकर उसकी जांच की जायेगी तथा प्रचार प्रसार भी किया जायेगा। उन्होने बताया कि पेयजल की सैम्पल के उपरांत उक्त डाटा को स्वास्थ्य के साथ साझा किया जायेगा, जिससे स्वास्थ्य विभाग द्वारा रूद्रपुर शहर में भविष्य में होने वाली बीमारियों की आशंका का अनुमान लगाया जा सके ताकि भविष्य मे होने वाली बिमारियों से लड़ने की तैयारी की जा सके तथा संस्थान/जल निगम को प्रत्येक नागरिक को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने को निर्देश दिए जा सके।

3- केन्द्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री भारत सरकार अजय भट्ट ने संजय वन के जीर्णोद्धार के लिए संजय वन का स्थलीय निरीक्षण किया। संजय वन के जीर्णोद्धार के लिए जिलाधिकारी युगल किशोर पंत द्वारा 20 लाख रूपये की स्वीकृति देने पर मंत्री ने जिलाधिकारी को बधाई दी। उन्होने कहा कि संजय वन का जीर्णोद्धार करना उनका ड्रीम प्रोजेक्ट है। उन्होने कहा कि दिल्ली से नैनीताल जाने वाले पर्यटकों के लिए उत्तराखण्ड में कोई भी ऐसा स्थान नही है जहां पर आके पर्यटक थोड़ा वक्त गुजार के आराम कर सकें। उन्होने कहा कि आने वाले समय में जनपद के मुख्यालय में आने वाले लोगो के लिए एक बहुत बड़ा प्रकल्प भी खड़ा हो रहा है। उन्होने कहा कि जिलाधिकारी युगल किशोर पंत द्वारा 20 लाख रूपये से संजय वन के कायाकल्प का कार्य प्रारम्भ होगा। उन्होने कहा कि भविष्य में इसके लिए और बजट की व्यवस्था की जा रही है। संजय वन को सवांरने में धन की कोई कमी नही आने दी जायेगी। संजय वन के पर्यटक स्थल के रूप में विकसित होने के बाद यहां पर्यटकों का आना जाना प्रारम्भ होगा। उन्होने कहा कि आने वाले समय में मार्गों पर लाईटिंग के कार्य भी किये जायेंगे जिससे उत्तराखण्ड में आने वाले पर्यटकों को लगेगा की हमने देवभूमि में प्रवेश कर लिया है।

इस अवसर पर जिलाधिकारी युगल किशोर पंत, मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा, जिलाध्यक्ष विवेक सक्सेना, मेयर रामपाल, ऊषा चैधरी, उपजिलाधिकारी प्रत्युष सिंह, नगर आयुक्त विवेक राय, भारत भूषण चुघ, सुरेश कोली, उपेन्द्र चैधरी, योगेश वर्मा आदि उपस्थित थे।

टीबी उन्मूलन में मदद करें सक्षम लोग : डॉ0 धन सिंह रावत

देशभर में उत्तराखंड बना सर्वाधिक नि-क्षय मित्र बनाने वाला राज्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 नवम्बर। सूबे में टीबी रोग उन्मूलन में समाज के सक्षम लोग, निर्वाचित जनप्रतिनिधि, राजनीतिक, कॉर्पोरेट संस्थान, गैर सरकारी संस्थान अपनी भागीदारी निभा सकते हैं, इसके लिये सभी को 'नि-क्षय मित्र' बनने का मौका दिया जा रहा है। सूबे के स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने समाज के सक्षम वर्ग से अपील की है कि वह नि-क्षय मित्र बनकर क्षय रोगियों की सहायता के लिये आगे आयें और प्रदेश को टीबी मुक्त करने में सहयोग करें। टीबी मरीजों की औसत संख्या के आधार पर उत्तराखंड देशभर में सर्वाधिक नि-क्षय मित्र पंजीकरण करने वाला राज्य बन चुका है, इसके लिये केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 मनसुख मंडाविया ने खुशी व्यक्त की और इस उपलब्धि के लिये प्रदेश की जनता को बधाई दी।टीबी मुक्त उत्तराखंड बनाने के लिये प्रदेश भर में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान जोर-शोर से चल रहा है। इस महत्वकांक्षी अभियान को सफल बनाने बनाने के लिये समाज के सक्षम लोगों से आगे आकर नि-क्षय मित्र बनने की अपील की गई है, ताकि टीबी मरीजों के उपचार परिणामों में सुधार लाया जा सके। नि-क्षय मित्र के तौर पर आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित किये जाने के लिये निर्वाचित प्रतिनिधि, राजनीतिक दल, गैर सरकार संगठन, कॉर्पोरेट्स संस्थान और इच्छुक नागरिक भी प्रतिभाग कर सकता है। इसके अलावा सहकारी समितियां, पंचायती राज विभाग सहित अन्य सरकारी विभाग भी नि-क्षय मित्र की भूमिका निभाकर टीबी मुक्त उत्तराखंड में भागीदार बन सकते हैं। नि-क्षय मित्र के रूप में प्रत्येक व्यक्ति एक या एक से अधिक टीबी रोगियों को कम से कम एक वर्ष तक गोद लेगा और उपचार में सहयोग करेगा साथ ही भारत सरकार द्वारा सुझावित फूड बास्केट प्रत्येक माह रोगी को उपलब्ध करायेगा, जिसकी अनुमानित लागत रू0 एक हजार है। टीबी रोग उन्मूलन को लेकर राज्य में स्वास्थ्य विभाग द्वारा युद्ध स्तर पर नि-क्षय मित्रों का पंजीकरण किया जा रहा है। टीबी मरीजों की औसत संख्या के आधार पर उत्तराखंड सर्वाधिक नि-क्षय मित्र पंजीकरण करने वाला देश का पहला राज्य बन चुका है। इस उपलब्धि पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने डॉ0 मनसुख मंडाविया ने खुशी व्यक्त करते हुये प्रदेश की जनता को बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि उत्तराखंड सबसे पहले टीबी उन्मूलन में कामयाबी हासिल करेगा। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत अभी तक राज्य में 5852 नि-क्षय मित्र बनाये गये हैं, जिसमें से 91 फीसदी नि-क्षय मित्रों का टीबी मरीजों के साथ लिंकेज कर दिया गया है। प्रदेश के तीन जनपद टिहरी गढ़वाल, चमोली और चम्पावत में शत-प्रतिशत नि-क्षय मित्रों का लिंकेज किया जा चुका है, जबकि पांच जिलों अल्मोड़ा, बागेश्वर, रूद्रप्रयाग, ऊधमसिंह नगर और उत्तरकाशी में 95 फीसदी से अधिक नि-क्षय मित्रों का लिंकेज किया जा चुका है।

प्रदेश के तीन जिलों में शत-प्रतिशत नि-क्षय मित्र लिंकेज

> आइये नि-क्षय मित्र बनकर टीबी मुक्त उत्तराखंड का सपना साकार करे
>
> **– डॉ0 धन सिंह रावत, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री, उत्तराखंड।**

हेल्थ मिनिस्टर धनदा ने बताया अपना विजन –

समाज का प्रत्येक सक्षम व्यक्ति टीबी रोगियों की सहायता के लिये नि-क्षय मित्र बनने का संकल्प लें और इस राष्ट्रीय अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सच्ची मित्रता निभायें। इस अभियान में सभी सरकारी विभागों, निर्वाचित प्रतिनिधियों राजनीतिक दलों गैर सरकारी संगठनों और कॉर्पोरेट्स संस्थानों का सहयोग अपेक्षित है।

मेडिकल के छात्रों के लिए अब दिमागी जांच अनिवार्य नहीं : डॉ. आशुतोष सयाना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 नवम्बर। प्रदेश के राजकीय मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरी की पढ़ाई के लिए दाखिले में छात्रों की अनिवार्य रूप से दिमागी जांच नहीं होगी। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज की ओर से छात्रों का मनोचिकित्सक टेस्ट अनिवार्य करने के फैसले को रद्द कर दिया है। अब जरूरत महसूस होने पर ही यह जांच होगी। नीट यूजी और नीट पीजी से दाखिला लेने वाले छात्रों के लिए पिछले दिनों राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी ने मनोचिकित्सक टेस्ट अनिवार्य किया था। सरकार ने इस संबंध में न तो नीतिगत फैसला लिया था और न ही देश के अन्य मेडिकल कॉलेजों में यह जांच अनिवार्य है।इसे देखते हुए प्रभारी स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा डॉ. आर. राजेश कुमार के निर्देश पर निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ. आशुतोष सयाना ने किसी भी राजकीय मेडिकल कॉलेजों में अनिवार्य रूप से मनोचिकित्सक टेस्ट नहीं कराने के निर्देश दिए हैं।

खुदकुशी की बढ़ती घटनाओं के चलते लिया था फैसला : राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी ने मेडिकल शिक्षा में दाखिला लेने वाले छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण के फैसले पर विवाद होने पर अनिवार्यता की शर्त को हटा लिया है। यदि मेडिकल बोर्ड को लगता है कि कोई छात्र मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं है तो उसी स्थिति में मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण किया जा सकता है। मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण को अनिवार्य करने के पीछे कॉलेज प्रशासन का तर्क था कि छात्र-छात्राओं के आत्महत्या करने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए यह निर्णय लिया गया था।

> मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए छात्र-छात्राओं के होने वाले मेडिकल परीक्षण में मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण को जोड़ा गया था। अगर कोई छात्र-छात्रा मानसिक तौर पर बीमार मिलता तो इससे मेडिकल कॉलेज में उसके प्रवेश पर कोई असर नहीं पड़ता। हालांकि अब इस अनिवार्यता को हटा दिया गया है। अब जरूरत पड़ने पर ही ऐसा किया जाएगा।
>
> **–डॉ. अरुण जोशी, प्राचार्य, राजकीय मेडिकल कॉलेज, हल्द्वानी।**